



केंद्रीय गृहनंती  
अमित शाह बोले  
सदन के  
सत्र को चलाने  
नहीं देना ठीक नहीं

- 12



फेडरल बैंक  
के व्याज दरों में  
कटौती की संभावना  
से बदलेगी शेयर  
बाजार की गति

- 12



रुस की तेल  
रिफाइनरियों पर  
युक्ति के हमले  
तेज, पेट्रोल का  
नियांता बढ़

- 13



राष्ट्रगंडल  
चैपियनशिप  
में घोलू चुनौती  
की अगुवाई  
करेंगी नीराबाई  
चानू- 14

आज का मौसम

31.0°  
अधिकतम तापमान  
27.0°  
नव्यूनतम तापमान  
सूर्योदय 05.45  
सूर्यस्ति 06.36



# अमृत विचार

लखनऊ |

भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वितीया 12:35 उपरांत तृतीया विक्रम संवत् 2082

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

[www.amritvichar.com](http://www.amritvichar.com)

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बैंगलुरु काशीपुर  
मुमुक्षुदाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मूल्य 6 रुपये

सोमवार, 25 अगस्त 2025, वर्ष 35, अंक 207, पृष्ठ 14

डीआरडीओ ने लांच किया आत्मनिर्भर भारत का सुदर्शन चक्र, गगनयान मिशन के तहत इससे की बड़ी उपलब्धि

## हवाई रक्षा प्रणाली का पहला परीक्षण सफल



आंदोलन के टॉप पर किया गया एकीकृत वायु रक्षा हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने उभरते क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के महनंजर अनन्त बदली सेन्य समाजों का प्रदर्शन करते हुए अोडिंगड़ सिरस्टम तट से एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली (आईडीडब्ल्यूएस) का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। इसे सुदर्शन चक्र का नाम दिया गया है। रक्षा मंत्रालय की अनुमति आईडीडब्ल्यूएस एक बहुसंरीय हवाई रक्षा प्रणाली है जिसमें त्वरित प्रतिक्रिया वाली सवार्थ से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल, बहुत कम दूरी की हवाई रक्षा प्रणाली मिसाइल और उच्च शक्ति वाली लेजर आधारित निर्वेश तर्ज परीक्षण की अनुमति है। स्वदेशी हवाई रक्षा प्रणाली का शनिवार 12:30 बजे अोडिंगड़ तट से उड़ान परीक्षण के लिए अपने प्राणों को आहूति दी। उनकी वीता, त्याग और बलिदान देश की आत्मा में आज भी जीवित है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उड़ान परीक्षणों के लिए आईडीडब्ल्यूएस को विकसित करने वालों, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और सशस्त्र बलों को बधाई दी।

### सुदर्शन चक्र की विशेषताएं

- प्रौद्योगिकी: इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और लेजर-गाइडेड सिरस्टम जैसी तकनीकें शामिल हैं, जो स्टैटिक निशाना लगाते हैं।
- संरचना: यह एक ग्राउंड-बैर्स और स्पेस-बैर्स हाइब्रिड सिरस्टम है, जिसमें सैलैटाइट और रडार नेटवर्क की शामिल हैं।
- बैर्स: बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और हाइब्रिड एंटरप्रार्सोनिक हथियारों को नष्ट करना।

को बधाई दी। नई हवाई रक्षा प्रणाली का उड़ान परीक्षण ऑपरेशन सिर्डू के साथ तीन महीने बाद हुआ है। सिंह ने सोशल मीडिया पर कहा कि इस अद्वितीय उड़ान परीक्षण ने हमारे देश की बहुन्दरीय हवाई रक्षा क्षमता को स्थापित किया है और यह दुश्मन के हवाई खतरों के खिलाफ रक्षा प्रणाली को मजबूत बना रही है। आईडीडब्ल्यूएस के अंतर्गत एक केंद्रीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र सभी हाथियार प्रणालीयों का एकीकृत संचालन करेगी।

## पैराशूट प्रणाली के लिए एयर-ड्रॉप टेस्ट

बंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आगामी गणनयान मिशन के लिए पैराशूट अधारित गति धीमी करने से संबंधित प्रणाली को परखने के लिए रविवार को पहला एकीकृत एयर ड्रॉप परीक्षण (आईडीटी-01) संपन्न करना।

इसरो के एक अधिकारी ने बताया कि यह परीक्षण अंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के निकट किया गया। यह अंध्रास इसरो, भारतीय वायु सेना, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। गणनयान परीक्षणों का उद्देश्य भारत की यह क्षमता प्रारंभित करना है कि वह मनुष्यों को अंतरिक्ष में भेजकर सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस ला सकता है। देश के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन के रूप में योजनाबद्ध यह परियोजना, चालक दल की सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रणालीयों की जांच के लिए पूर्ववर्ती मानवरहित मिशनों को भी शामिल करेगी।

### मानव अंतरिक्ष मिशन की तैयारी

गणनयान के लिए पैराशूट प्रणाली के परीक्षण में जुटे वैज्ञानिक। लौटने और लैंडिंग के दौरान चालक दल के मॉड्यूल की सुरक्षित वापसी के संबंध में एक प्रमुख घटक है।

### ब्रीफ न्यूज

आईपीएस अनीश दयाल बने डिप्टी एनएसए  
नई दिल्ली। सीआरपीए और आईटीबीपी के पूर्व महानिवेशक अनीश दयाल सिंह को नया उत्तराधीय सुरक्षा सलाहकार (एपीएसए) नियुक्त किया गया है। इसी के टॉप पर किया गया था।

आंदोलन के लिए उत्तराधीय स्थान के अधिकारी।

सिंह दिवार 2024 में सेवानिवृत्त हुए थे।

इस भूमिका के लिए उनके पास व्यापक अंतर्भूत है।

ज्ञारखंड के पूर्व सीएम

चंपाई सोरेन नजरबंद

रांची। ज्ञारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के नेता चंपाई सोरेन को सरकारी स्वास्थ्य संस्थान के लिए रिकार्ड आईटीबीपी और रांची जा रहे थे। उनके साथ समर्थकों को भी एक यात्रा में हिस्सा ले रहे थे। रांची के पुलिस उपायोगिक के बीच रांची के लिए एक यात्रा थी।

आंदोलन के महानिवेशक गैर यादव

नई दिल्ली। एनएसए के अंतर्गत उन्होंने एकीकृत सेनानी को नियुक्त किया।

आईपीएस अनीश दयाल बने डिप्टी एनएसए

नई दिल्ली। सीआरपीए और आईटीबीपी के पूर्व महानिवेशक अनीश दयाल सिंह को नया उत्तराधीय सुरक्षा सलाहकार (एपीएसए) नियुक्त किया गया। इसी के टॉप पर किया गया था।

आईपीएस अनीश दयाल बने डिप्टी एनएसए

नई दिल्ली। सीआरपीए और आईटीबीपी के पूर्व महानिवेशक अनीश दयाल सिंह को नया उत्तराधीय सुरक्षा सलाहकार (एपीएसए) नियुक्त किया गया। इसी के टॉप पर किया गया था।

आईपीएस अनीश दयाल बने डिप्टी एनएसए

नई दिल्ली। सीआरपीए और आईटीबीपी के पूर्व महानिवेशक अनीश दयाल सिंह को नया उत्तराधीय सुरक्षा सलाहकार (एपीएसए) नियुक्त किया गया। इसी के टॉप पर किया गया था।

आईपीएस अनीश दयाल बने डिप्टी एनएसए

नई दिल्ली। सीआरपीए और आईटीबीपी के पूर्व महानिवेशक अनीश दयाल सिंह को नया उत्तराधीय सुरक्षा सलाहकार (एपीएसए) नियुक्त किया गया। इसी के टॉप पर किया गया था।

आईपीएस अनीश दयाल बने डिप्टी एनएसए

नई दिल्ली। सीआरपीए और आईटीबीपी के पूर्व महानिवेशक अनीश दयाल सिंह को नया उत्तराधीय सुरक्षा सलाहकार (एपीएसए) नियुक्त किया गया। इसी के टॉप पर किया गया था।

आईपीएस अनीश दयाल बने डिप्टी एनएसए

नई दिल्ली। सीआरपीए और आईटीबीपी के पूर्व महानिवेशक अनीश दयाल सिंह को नया उत्तराधीय सुरक्षा सलाहकार (एपीएसए) नियुक्त किया गया। इसी के टॉप पर किया गया था।

आईपीएस अनीश दयाल बने डिप्टी एनएसए

नई दिल्ली। सीआरपीए और आईटीबीपी के पूर्व महानिवेशक अनीश दयाल सिंह को नया उत्तराधीय सुरक्षा सलाहकार (एपीएसए) नियुक्त किया गया। इसी के टॉप पर किया गया था।

आईपीएस अनीश दयाल बने डिप्टी एनएसए

नई दिल्ली। सीआरपीए और आईटीबीपी के पूर्व महानिवेशक अनीश दयाल सिंह को नया उत्तराधीय सुरक्षा सलाहकार (एपीएसए) नियुक्त किया गया। इसी के टॉप पर किया गया था।

आईपीएस अनीश दयाल बने डिप्टी एनएसए

नई दिल्ली। सीआरपीए और आईटीबीपी के पूर्व महानिवेशक अनीश दयाल सिंह को नया उत्तराधीय सुरक्षा सलाहकार (एपीएसए) नियुक्त किया गया। इसी के टॉप पर किया गया था।

आईपीएस अनीश दयाल बने डिप्टी एनएसए

नई दिल्ली। सीआरपीए औ

## न्यूज ब्रीफ

## आज व कल भारी

बारिश की घेतावनी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में

मौसम विभाग ने बादल गरजने के साथ

जगजगत और भारी बारिश की घेतावनी

दी है। 25 अगस्त को भी पश्चिमी उप्रा-

त्रे में लगभग सभी रस्याने पर

और 26 अगस्त को अनेक रस्याने पर

बारिश, गरज-चमक के साथ थोड़े

पड़ने की संभावना है। लखनऊ और

आयोजन के इलाकों में सोमवार को

भी अशिक्ष रुप से बादल छाने के बाद

दौपहर के समय समाप्त हो। बाल छाये

रहने के साथ कुछ क्षेत्रों में मैसेजन

और बीच-बीच में बारिश, गरज-चमक

के साथ थोड़े पड़ने की संभावना है।

इससे पूर्व पूर्वावल में बारिशी के बाद

सबसे अधिक बारिश मिर्जापुर में हुई

यहां की कई दूरी दूरियां भी उफना गई हैं।

ऐसे में सड़कों पर पानी भर गया है।

विभिन्न रस्याने पर आयोजन रोक

दिया गया है। उधर, सोनभद्र में भारी

बारिश से धूधरील बांध के सभी 18 गेट

खोल दिए गए हैं।

अग्निवीर भर्ती रैली में

896 ने दिखाया दम

अमृत विचार, लखनऊ : मुजफ्फरनगर

में आयोजित अग्निवीर भर्ती रैली के

तीसरे दिन विचार को अग्निवीर जनरल

इयूटी के लिए बिजनेश एवं बागपत

को 896 अभ्यासियों ने भाग लिया।

मेजर जनरल अधिकारी, मुख्यालय भर्ती क्षेत्र

(उआ और उत्तराखण्ड) ने भर्ती रैली का

निरीक्षण किया। उन्होंने दिन की घटी

दौड़ी की हरी झंडी दिखाकर शुरूआत

की। मेजर जनरल ने रेली में भाग लेने

वाले अभ्यासियों को उत्तराखण्ड प्रदर्शन

करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

भर्ती रैली 8 सिंतर तक चली गी।

प्रोन्नत आईएस मंच के

पुनर्गठन की प्रक्रिया तेज

अमृत विचार, लखनऊ : प्रोन्नत

आईएस मंच के सदस्यों ने अपना

अगला अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया

तेज कर दी है। उत्तराखण्ड, इसी माह

में जूनी अन्तर्वार्षिक अध्यक्ष

चुनींगा। मालूम है कि कुछ वर्ष पहले

पीसीएस से प्रमोटेड होकर आईएस

बनने वाले अफसरों ने आईएस

एसोसिएशन से अलग आया।

मूख्यमंत्री ने रविवार को दोपहर

बाद गोखरुपुर के एनेक्सी भवन में

समीक्षा के दौरान कहा कि गोखरुपुर

## शुभांशु शुक्ला का आज नागरिक अभिनंदन करेंगे मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्लूरो, लखनऊ



अमृत विचार : लखनऊ के बेटे गुप्त कैप्टन शुभांशु शुक्ला का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समारोह में लगभग सभी रस्याने पर और 26 अगस्त को अनेक रस्याने पर बारिश, गरज-चमक के साथ थोड़े पड़ने की संभावना है। लखनऊ और आयोजन के इलाकों में सोमवार को भी अशिक्ष रुप से बादल छाने के बाद दौपहर के समय समाप्त हो। बाल छाये रहने के साथ कुछ क्षेत्रों में मैसेजन और बीच-बीच में बारिश, गरज-चमक के साथ थोड़े पड़ने की संभावना है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से लोकभवन सभाग्राम में यहां की कई दूरी दूरियां भी उफना गई हैं। ऐसे में सड़कों पर पानी पर भर गया है।

विभिन्न रस्याने पर आयोगन रोक दिया गया है।

विभिन्न रस्याने पर आयोगन रो















सोमवार, 25 अगस्त 2025



चुनौतियों को स्वीकार करें ताकि आप जीत का उत्साह महसूस कर सकें।  
-जॉर्ज एस पैटन, पूर्व अमेरिकी जनरल

## प्रधानमंत्री की दूरदर्शी पहल

ग्राह्यी अंतरिक्ष दिवस पर प्रधानमंत्री का उद्घोषन अतिंत प्रेरक रहा। उन्होंने अंतरिक्ष वैज्ञानिकों से मानवता के भविष्य को और अधिक उन्नत व उज्ज्वल बनाने तथा अंतरिक्ष के अनुसुलग्ने रहस्यों को उजागर करने के लिए 'डीप स्पेस एक्स्प्लोरेशन मिशन' की तैयारी की दिशा में प्रेरित किया, जो महत्वपूर्ण है। उनकी यह सोच कितनी दूरदर्शीपूर्ण है और भविष्य के लिए वर्तमान में इस कार्य की कितनी महात्मा है, इसका वास्तविक आधार वर्तमान से कहीं अधिक भविष्य में होगा। प्रधानमंत्री भलीभांति जानते हैं कि भारत में तकनीक से संबंधित एक ऐसा संगठन है, जिसका लोहा संपूर्ण विश्व मानवता है और जिसके समक्ष संगठनों को कई बार स्वीकार करने पड़ता है कि उसके कुछ क्षेत्रों में उसका नाम नहीं है वह है इसरों। निस्संदेह, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और हमारे अंतरिक्ष वैज्ञानिकों इस कार्य की पर्याप्त क्षमता और प्रतिभा रखते हैं। इसी विश्वास पर प्रधानमंत्री ने यह आहारन किया है। इसरों अंतरिक्ष के क्षेत्र में अनेक कीर्तिमान स्थापित कर चुका है। गवर्नर अंतरिक्ष में इसरों के शोध प्रयोग लगातार जारी है। वह मंगल, बुहस्तिं और चंद्रमा के अंतरिक्ष धूमकेतुओं, बाल्मीय सौर मंडल तथा आकाशगंगा के भी अध्ययन में संलग्न है। इसरों अंतरग्रहीय संचार, अन्य ग्रहों पर जीवन और नवीन संसाधनों की खोज में भी योगदान दे रहा है। उसने रोबोटिक मिशन भेजे हैं और मानवीय मिशनों की तैयारी भी लगभग पूरी कर ली है। इसके साथ ही वह रीयोजेवल लॉन्च हिक्कल और सेस डॉकिंग तकनीक में सफलता प्राप्त कर चुका है। सुदूर अंतरिक्ष में अन्वेषण और प्रयोग के लिए 2028 तक भारत का अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने की योजना है, जिसके लिए एडवांस्ड प्रोपलेशन टेक्नोलॉजी से निर्मित रॉकेट का भी विकास किया जा रहा है।

अक्सर देश के कुछ क्षेत्रों से यह अदूरवर्तीपूर्ण प्रश्न उठाया जाता है कि जब धर्ती और उस पर रहे लोगों की अनेक समस्याएं मौजूद हैं, तो अंतरिक्ष पर उन्हें रुचेर खर्च करने का क्या औचित्य है! परंतु वस्तुतः अंतरिक्ष अन्वेषण से भविष्य में देश, समाज और संपूर्ण मानवता को जो लाभ होने वाले हैं, उन्हें समझने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और दूरगामी सोच आवश्यक है। यह बात प्रधानमंत्री जैसे दृष्टि ही स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। अमेरिका, जापान, चीन और यूरोपियन अंतरिक्ष एजेंसियों ही इस दिशा में संलग्न नहीं हैं, उनके पीछे भी गहरे दूरगामी उद्देश्य हैं। वे जानते हैं कि अत्यधिक दौहने के कारण निकट भविष्य में धर्ती पर ऊर्जा, जल और खनिज संसाधनों की गंभीर समस्याएं घटी होंगी। इसके निपटने का एकमात्र उपाय यही है कि ऐसे परग्रहीय पिंडों के द्वारा किया जाए, जहां ये संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। ऐसे अधियानों के लिए मनुष्य को वहां अधिक समय तक ठहरना भी पड़ सकता है। डीप स्पेस एक्स्प्लोरेशन और उसके अंतर्गत होने वाले विभिन्न अनुसंधान संपूर्ण मानवता को नई दिशा और लाभ प्रदान करेंगे। यह मानवता, देश और विज्ञान- तीनों के लिए एक बड़ा अवसर है। इस दिशा में भारतीय एजेंसियों और सरकार को साहसिक, दीर्घकालिक और व्यापक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

### प्रसंगवर्ता

## रामसेतु के वैज्ञानिक तथ्य और यथार्थ



लोकसभा में पैश किए गए संशोधन बिल में पुलिस या हिरासत में रखने वाली एजेंसी का महत्वपूर्ण हो जाना एक खतरनाक संकेत है। राजनीति की जरा सी भी समझ रखने वाला नागरिक जानता है कि सत्ताधारी दल अपने विरोधियों के खिलाफ इन एजेंसियों का कैसे दुरुपयोग करता है। एक और ध्यान देने वाली एजेंसी का महत्वपूर्ण हो जाना एक खतरनाक संकेत है।

लोकसभा में पैश किए गए संशोधन बिल में पुलिस या हिरासत में रखने वाली एजेंसी का महत्वपूर्ण हो जाना एक खतरनाक संकेत है।

आमने से उनके संबंधित विवरणों में संकेत है कि जब उनके विवरणों में एक है। मंदिर का रख-रखाव सीधे हो गए से निश्चित ही हुआ होगा, अतः वह तत्पर्य के पवित्र और और गैरवशाली निर्माण की आज भी गवाही हो रही है।

संप्रति, तमिलनाडु में धनुषकोड़ (रामेश्वरम) से समुद्र काफी दूर तक छिपता और चढ़ानी है, जिसे आदम पुल करा जाता रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 1993 में सेंटेलट डिस्ट्रीट से कुछ चित्र दीचे, जिनमें रामेश्वरम से लंका के मनाना तापू तक पुल जैसे निर्माण के लिए निकलता है। वही भारतीय को आपे पुल प्राप्त होने के लिए विवरणों में देखा जाता है। इसे किसी ने मिथिक किसी ने यथार्थ माना। विवरण में राष्ट्रीय स्तर पर इस पर बहसें चलीं। प्रकरण अदालत तक गया। राजनीतिक दल अपने-अपने ढांग से लामबद्द हुए। आइ इसकी यथार्थता पर खेले।

संप्रति, तमिलनाडु में धनुषकोड़ (रामेश्वरम) से समुद्र काफी दूर तक छिपता और चढ़ानी है, जिसे आदम पुल करा जाता रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 1993 में सेंटेलट डिस्ट्रीट से कुछ चित्र दीचे, जिनमें रामेश्वरम से लंका के मनाना तापू तक पुल जैसे निर्माण के लिए निकलता है। वही भारतीय को आपे पुल प्राप्त होने के लिए विवरणों में देखा जाता है। इसे किसी ने मिथिक किसी ने यथार्थ माना। विवरण में राष्ट्रीय स्तर पर इस पर बहसें चलीं। प्रकरण अदालत तक गया। राजनीतिक दल अपने-अपने ढांग से लामबद्द हुए। आइ इसकी यथार्थता पर खेले।

संप्रति, तमिलनाडु में धनुषकोड़ (रामेश्वरम) से समुद्र काफी दूर तक छिपता और चढ़ानी है, जिसे आदम पुल करा जाता रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 1993 में सेंटेलट डिस्ट्रीट से कुछ चित्र दीचे, जिनमें रामेश्वरम से लंका के मनाना तापू तक पुल जैसे निर्माण के लिए निकलता है। वही भारतीय को आपे पुल प्राप्त होने के लिए विवरणों में देखा जाता है। इसे किसी ने मिथिक किसी ने यथार्थ माना। विवरण में राष्ट्रीय स्तर पर इस पर बहसें चलीं। प्रकरण अदालत तक गया। राजनीतिक दल अपने-अपने ढांग से लामबद्द हुए। आइ इसकी यथार्थता पर खेले।

संप्रति, तमिलनाडु में धनुषकोड़ (रामेश्वरम) से समुद्र काफी दूर तक छिपता और चढ़ानी है, जिसे आदम पुल करा जाता रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 1993 में सेंटेलट डिस्ट्रीट से कुछ चित्र दीचे, जिनमें रामेश्वरम से लंका के मनाना तापू तक पुल जैसे निर्माण के लिए निकलता है। वही भारतीय को आपे पुल प्राप्त होने के लिए विवरणों में देखा जाता है। इसे किसी ने मिथिक किसी ने यथार्थ माना। विवरण में राष्ट्रीय स्तर पर इस पर बहसें चलीं। प्रकरण अदालत तक गया। राजनीतिक दल अपने-अपने ढांग से लामबद्द हुए। आइ इसकी यथार्थता पर खेले।

संप्रति, तमिलनाडु में धनुषकोड़ (रामेश्वरम) से समुद्र काफी दूर तक छिपता और चढ़ानी है, जिसे आदम पुल करा जाता रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 1993 में सेंटेलट डिस्ट्रीट से कुछ चित्र दीचे, जिनमें रामेश्वरम से लंका के मनाना तापू तक पुल जैसे निर्माण के लिए निकलता है। वही भारतीय को आपे पुल प्राप्त होने के लिए विवरणों में देखा जाता है। इसे किसी ने मिथिक किसी ने यथार्थ माना। विवरण में राष्ट्रीय स्तर पर इस पर बहसें चलीं। प्रकरण अदालत तक गया। राजनीतिक दल अपने-अपने ढांग से लामबद्द हुए। आइ इसकी यथार्थता पर खेले।

संप्रति, तमिलनाडु में धनुषकोड़ (रामेश्वरम) से समुद्र काफी दूर तक छिपता और चढ़ानी है, जिसे आदम पुल करा जाता रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 1993 में सेंटेलट डिस्ट्रीट से कुछ चित्र दीचे, जिनमें रामेश्वरम से लंका के मनाना तापू तक पुल जैसे निर्माण के लिए निकलता है। वही भारतीय को आपे पुल प्राप्त होने के लिए विवरणों में देखा जाता है। इसे किसी ने मिथिक किसी ने यथार्थ माना। विवरण में राष्ट्रीय स्तर पर इस पर बहसें चलीं। प्रकरण अदालत तक गया। राजनीतिक दल अपने-अपने ढांग से लामबद्द हुए। आइ इसकी यथार्थता पर खेले।

संप्रति, तमिलनाडु में धनुषकोड़ (रामेश्वरम) से समुद्र काफी दूर तक छिपता और चढ़ानी है, जिसे आदम पुल करा जाता रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 1993 में सेंटेलट डिस्ट्रीट से कुछ चित्र दीचे, जिनमें रामेश्वरम से लंका के मनाना तापू तक पुल जैसे निर्माण के लिए निकलता है। वही भारतीय को आपे पुल प्राप्त होने के लिए विवरणों में देखा जाता है। इसे किसी ने मिथिक किसी ने यथार्थ माना। विवरण में राष्ट्रीय स्तर पर इस पर बहसें चलीं। प्रकरण अदालत तक गया। राजनीतिक दल अपने-अपने ढांग से लामबद्द हुए। आइ इसकी यथार्थता पर खेले।

संप्रति, तमिलनाडु में धनुषकोड़ (रामेश्वरम) से समुद्र काफी दूर तक छिपता और चढ़ानी है, जिसे आदम पुल करा जाता रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 1993 में सेंटेलट डिस्ट्रीट से कुछ चित्र दीचे, जिनमें रामेश्वरम से लंका के मनाना तापू तक पुल जैसे निर्माण के लिए निकलता है। वही भारतीय को आपे पुल प्राप्त होने के लिए विवरणों में देखा जाता है। इसे किसी ने मिथिक किसी ने यथार्थ माना। विवरण में राष्ट्रीय स्तर पर इस पर बहसें चलीं। प्रकरण अदालत तक गया। राजनीतिक दल अपने-अपने ढांग से लामबद्द हुए। आइ इसकी यथार्थता पर खेले।







